Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra www.kobatirth.org Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अनुक्रमणिका

मंगलकामना i
समर्पण ii
प्रकाशकीय iii
प्राक्कथन iv
कैलास श्रुतसागर सूची प्रकाशन की रूपरेखा .....v-vi
प्रस्तुत हस्तप्रत सूचीगत सूचनाओं का स्पष्टीकरण .....vi-x
अनुक्रमणिका xi
प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत .....xii-xiii
हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य xiv
हस्तप्रत सूची १-४७४
परिशिष्टः कृति परिवार अनुसार प्रत-पेटाकृति अनुक्रम संख्या.. .....४७५-४७७
१. संस्कृत, प्राकृत व अपभ्रंश भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - १ .....४७८-५२५
२. देशी भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - २ .....५२६-५९०

प्रस्तुत **खंड ६** में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

- प्रत क्रमांक - २१००१ से २६९९०.
- इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किए जाने के कारण वास्तविक रूप से २७०८ प्रतों का समावेश इस खंड में हुआ है.
- समाविष्ट प्रतों में कुल ३१६६ कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
- इन परिवारों की कुल ३८६० कृतियों का समावेश हुआ है.
- सूची में उपरोक्त कृतियाँ कुल ६७९१ बार आई हैं.

For Private And Personal Use Only